

डॉ. रवीन्द्र नागर

Dr. Ravindra Nagar



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

डॉ. रवीन्द्र नागर

भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली में संस्कृत के प्राचार्य डॉ. रवीन्द्र नागर को आम लोगों में संस्कृत को प्रचारित करने संबंधी कार्य के लिए जाना जाता है।

2. आपका जन्म 05 दिसम्बर, 1941 को हुआ। आप वेद एवं साहित्य के आचार्य हैं। आपको हिन्दी तथा संस्कृत साहित्य में परास्नातक की उपाधि और संस्कृत में पी एच.डी. की उपाधि तथा हिन्दी और गुजराती साहित्य में साहित्य–रत्न की उपाधि प्राप्त हुई । आपने संस्कृत को आम लोगों के बीच प्रचारित करने में बहुत अधिक कार्य किया है। आपने 30.06.1974 को 'आकाशवाणी' पर संस्कृत में समाचारों का शुभारंभ किया। आपने भारतीय दर्शन, संस्कृति, संस्कार, उत्सवों और परंपराओं पर संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में 14 पुस्तकों का लेखन किया है। आपने विभिन्न पत्रिकाओं जैसे–धर्मयुग, हिन्दुस्तान और जागरण आदि में भिन्न–भिन्न शीर्षकों पर कई एक लेख भी लिखे हैं। आपने 40 वर्षों तक शास्त्री (स्नातक) तथा आचार्य (परास्नातक) की कक्षाओं में अध्यापन का कार्य किया और 20 से अधिक पी एच.डी. छात्रों का मार्गदर्शन किया।

3. आप बहु भाषी प्रतिभा के धनी हैं और संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी तथा गुजराती में धारा प्रवाह हैं। आपने न केवल भारत में अपितु मारीशस तथा यू एस ए में भारतीय संस्कृति तथा संस्कृत भाषा का प्रचार–प्रसार किया। आप मारीशस में 3 वर्षों तक हेड–प्रीस्ट रहे और 2 वर्षों तक ओहियो, यू एस ए में भी रहे। आपने दूरदर्शन के कई एक कार्यक्रमों जैसे – आज तक, आई बी एन–7, जी टीवी तथा दिल्ली दूरदर्शन पर 'मंत्र और जिज्ञासा' के माध्यम से भी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को प्रचारित किया है।

4. आपको संस्कृत साहित्य के क्षेत्र में आपकी सराहनीय सेवाओं के लिए कई एक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें भारत के राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2012 में प्रदत्त राष्ट्रपति पुरस्कार शामिल है। आपको अखिल भारतीय दिल्ली संस्कृत अकादमी पुरस्कार, उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी, लखनऊ का विशिष्ट पुरस्कार, यू एस ए स्थित हिंदू सोसायटी का उत्कृष्ट पुरस्कार और गुजराती समाज, दिल्ली द्वारा मिलेनियम पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

Dr. Ravindra Nagar

Dr. Ravindra Nagar, Pracharya in Sanskrit in Bhartiya Vidya Bhawan, New Delhi is known for his work in propagating Sanskrit to common people.

2. Born on December 5, 1941, Dr. Nagar is Acharya in Veda, Sahitya. He holds M.A. in Hindi and Sanskit literature and Ph.D. in Sanskrit and Sahitya Ratna in Hindi and Gujarati literature. He has worked immensely in propagating Sanskrit to common people. He has started Sanskrit News on All India Radio on 30.06.1974. He has written over 14 books in Sanskrit and Hindi language, on Indian philosophy, culture, Sanskars, festivals, and traditions. He has also written many articles on different topics in various magazines like Dharmayuga, Hindustan, Jagaran to name few. He has taught Shastri (graduate) and Acharya (post-graduate) classes for 40 years and has guided over 20 Ph.D. Students.

3. Dr. Nagar is multi-lingual and is fluent in Sanskrit, Hindi, English, and Gujarati. Not only in India, has he propagated Indian culture and Sanskrit language in Mauritius and USA. He was in Mauritius for 3 years as a Head Priest and 2 years in Ohio, USA. He has also propagated Indian culture and Sanskars through many television programs, like Mantra and Jigyasa in AajTak, IBN7, Zee TV, and Delhi Doordarshan. He has also presented regular programming on Dharma in AajTak for 10 years. He is still actively involved.

4. Dr. Nagar has been honoured with many awards for his meritorious service in the field of Sanskrit literature including President Award in the year 2012 by the President of India. He has also been awarded by Akhil Bhartiya Delhi Sanskrit academy, Vishisht award by U.P. Sanskrit Academy, Lucknow, outstanding award at Hindu Society at USA, and Millenium award by Gujarati Samaj, Delhi.